लेन-देनों का अभिलेखन . 2

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकें (सहायक पुस्तकें)

प्रश्न 1 (आसान). कौन-सी पुस्तक केवल नकद लेन-देनों को रिकॉर्ड करती है?
उत्तर – रोकड़ बही (Cash Book)

प्रश्न 2 (आसान). सहायक पुस्तकों का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – काम को आसान और व्यवस्थित करना।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर आपने ₹10,000 का माल उधार पर खरीदा है, तो इसे किस सहायक पुस्तक में लिखेंगे?
उत्तर – क्रय बही (Purchase Book)

प्रश्न 4 (कठिन). विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकों के कोई दो फायदे बताओ।
उत्तर – समय की बचत, श्रम का विभाजन, काम में कुशलता।

» रोकड़ बही - परिचय और एक-स्तंभीय रोकड़ बही

प्रश्न 5 (आसान). रोकड़ बही में किस प्रकार के लेन-देनों का अभिलेखन किया जाता है?
उत्तर – केवल नकद प्राप्तियों और नकद भुगतानों का।

प्रश्न 6 (आसान). एक-स्तंभीय रोकड़ बही कब बनाई जाती है?
उत्तर – जब व्यापार में सभी लेन-देन केवल नकद में ही होते हैं।

प्रश्न 7 (मध्यम). बताओ, 'नकद माल खरीदा 5000 रु.' यह लेन-देन रोकड़ बही के किस पक्ष में दर्ज होगा - प्राप्ति या भुगतान?
उत्तर – भुगतान पक्ष में, क्योंकि नकद गया है।

प्रश्न 8 (कठिन). क्या रोकड़ बही को 'मूल प्रविष्टि की बही' भी कहा जाता है? अगर हाँ, तो क्यों?
उत्तर – हाँ, क्योंकि रोकड़ बही में लेन-देनों की प्राथमिक प्रविष्टि की जाती है, ठीक वैसे ही जैसे रोज़नामचे में होती है।

» एक-स्तंभीय रोकड़ बही की खतौनी

प्रश्न 9 (आसान). अगर रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष में 'वेतन' ₹3,500 लिखा है, तो इसकी खतौनी कहाँ होगी?
उत्तर – वेतन खाते के डेबिट पक्ष में 'रोकड़' ₹3,500।

प्रश्न 10 (आसान). रोकड़ बही के डेबिट पक्ष में 'विक्रय' ₹28,000 लिखा है, तो इसकी खतौनी कहाँ होगी?
उत्तर – विक्रय खाते के क्रेडिट पक्ष में 'रोकड़' ₹28,000।

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर आपने फ़र्नीचर ₹13,800 नकद में खरीदा है, और यह रोकड़ बही में दर्ज है, तो 'फ़र्नीचर' खाते में इसकी खतौनी कैसे होगी?
उत्तर – फ़र्नीचर खाते के डेबिट पक्ष में 'रोकड़' के सामने ₹13,800 लिखे जाएँगे। क्योंकि रोकड़ बही में फ़र्नीचर का नाम क्रेडिट पक्ष में होगा (भुगतान), तो फ़र्नीचर खाते में वह डेबिट होगा।

प्रश्न 12 (कठिन). आपकी रोकड़ बही में 'रुकमणी को नकद भुगतान ₹12,500' क्रेडिट पक्ष में दर्ज है। साथ ही, 'बीमा प्रीमियम का नकद भुगतान ₹6,000' भी क्रेडिट पक्ष में दर्ज है। इन दोनों की खतौनी संबंधित खातों में कैसे होगी?
उत्तर – रुकमणी के खाते के डेबिट पक्ष में 'रोकड़' के सामने ₹12,500 लिखे जाएँगे। बीमा खाते के डेबिट पक्ष में 'रोकड़' के सामने ₹6,000 लिखे जाएँगे।

» द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही

प्रश्न 13 (आसान). जब हम बैंक में नकद जमा करते हैं, तो रोकड़ बही के किस कॉलम में एंट्री होगी?
उत्तर – यह एक विपर्यय लेन-देन (Contra Entry) है। डेबिट साइड में बैंक कॉलम में और क्रेडिट साइड में रोकड़ कॉलम में एंट्री होगी।

प्रश्न 14 (आसान). अगर हमें किसी ग्राहक से चेक मिला और उसे उसी दिन बैंक में जमा कर दिया, तो रोकड़ बही में कहाँ एंट्री करेंगे?
उत्तर – डेबिट साइड में बैंक कॉलम में एंट्री करेंगे।

प्रश्न 15 (मध्यम). आपके पास ₹5,000 नकद थे। आपने बैंक से ₹2,000 निकाले। फिर, ₹1,000 का सामान नकद खरीदा। द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही में इनका अभिलेखन कैसे होगा?
उत्तर – पहले, डेबिट साइड रोकड़ कॉलम में ₹5,000 (शेष) लिखेंगे। फिर, ₹2,000 बैंक से निकालने पर: डेबिट साइड रोकड़ कॉलम में ₹2,000 (C) और क्रेडिट साइड बैंक कॉलम में ₹2,000 (C) लिखेंगे। अंत में, ₹1,000 का सामान नकद खरीदने पर: क्रेडिट साइड रोकड़ कॉलम में ₹1,000 (क्रय) लिखेंगे।

प्रश्न 16 (कठिन). एक ग्राहक से ₹15,000 का चेक मिला। इसे बैंक में जमा नहीं किया गया। अगले दिन, यह चेक बैंक में जमा कर दिया गया। इन दो दिनों के लेन-देन को द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही में कैसे दर्ज करेंगे?
उत्तर – चेक प्राप्त होने के दिन: डेबिट साइड में रोकड़ कॉलम में ₹15,000 लिखेंगे (विवरण में 'ग्राहक का नाम' या 'चेक प्राप्त') क्योंकि यह अभी कैश की तरह माना जाएगा। अगले दिन, जब चेक बैंक में जमा होगा: यह एक विपर्यय लेन-देन (Contra Entry) होगा। डेबटि साइड बैंक कॉलम में ₹15,000 (C) और क्रेडटि साइड रोकड़ कॉलम में ₹15,000 (C) लिखेंगे।

» द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही में विपर्यय प्रविष्टियाँ

प्रश्न 17 (आसान). 15 अक्टूबर को बैंक से ₹5,000 नकद निकाले। इसकी विपर्यय प्रविष्टि कैसे करेंगे?
उत्तर – प्राप्ति पक्ष में: रोकड़ कॉलम में 5,000, विवरण में 'बैंक', रो.ब.पृ.सं. 'C' |
भुगतान पक्ष में: बैंक कॉलम में 5,000, विवरण में 'रोकड़', रो.ब.पृ.सं. 'C'

प्रश्न 18 (मध्यम). 3 नवंबर को ₹12,000 बैंक में जमा किए और 5 नवंबर को ₹3,000 बैंक से निकाले। दोनों की विपर्यय प्रविष्टियाँ करें।
उत्तर – 3 नवंबर: प्राप्ति पक्ष में: बैंक कॉलम में 12,000, विवरण में 'रोकड़', रो.ब.पृ.सं. 'C' |
भुगतान पक्ष में: रोकड़ कॉलम में 12,000, विवरण में 'बैंक', रो.ब.पृ.सं. 'C' |
5 नवंबर: प्राप्ति पक्ष में: रोकड़ कॉलम में 3,000, विवरण में 'बैंक', रो.ब.पृ.सं. 'C' |
भुगतान पक्ष में: बैंक कॉलम में 3,000, विवरण में 'रोकड़', रो.ब.पृ.सं. 'C'

» द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही की खतौनी

प्रश्न 19 (आसान). अगर रोकड़ बही के प्राप्ति (Receipt) पक्ष में 'विक्रय' के आगे कैश कॉलम में ₹6,000 हैं, तो इसकी खतौनी किस खाते में और किस तरफ होगी?
उत्तर – विक्रय खाते के क्रेडिट पक्ष में 'रोकड़' के नाम से।

प्रश्न 20 (आसान). अगर रोकड़ बही के भुगतान (Payment) पक्ष में 'मशीनरी' के आगे बैंक कॉलम में ₹5,500 हैं, तो इसकी खतौनी किस खाते में और किस तरफ होगी?
उत्तर – मशीनरी खाते के डेबिट पक्ष में 'बैंक' के नाम से।

प्रश्न 21 (मध्यम). एक विपर्यय प्रविष्टि है जहाँ बैंक में ₹10,000 जमा किए गए। क्या इसकी खतौनी खाता बही में होगी? क्यों?
उत्तर – नहीं, इसकी खतौनी नहीं होगी क्योंकि यह एक विपर्यय प्रविष्टि है और रोकड़ बही में ही इसका दोहरा प्रभाव दर्ज हो चुका है ('C' से चिह्नित)।

प्रश्न 22 (कठिन). एक लेन-देन है: 'रोहित को बैंक से ₹1,500 का भुगतान किया गया'। इसे रोकड़ बही और फिर रोहित के खाते में कैसे पोस्ट करेंगे?
उत्तर – रोकड़ बही के भुगतान (क्रेडिट) पक्ष में बैंक कॉलम में ₹1,500 'रोहित' के नाम से। फिर, रोहित के खाते के डेबिट पक्ष में 'बैंक' के नाम से ₹1,500।

» खुदरा रोकड़ बही और पेशगी प्रणाली

प्रश्न 23 (आसान). खुदरा रोकड़ बही में किस प्रकार के लेन-देन रिकॉर्ड किए जाते हैं?
उत्तर – छोटे-मोटे नकद खर्च।

प्रश्न 24 (आसान). पेशगी प्रणाली में रोकड़िया को पैसे कब मिलते हैं?
उत्तर – एक निश्चित अवधि के शुरुआत में अग्रिम (advance) के रूप में।

प्रश्न 25 (मध्यम). अगर खुदरा रोकड़िया को ₹1,500 की पेशगी मिलती है और वह ₹800 खर्च करता है, तो उसे कितना पुनर्भुगतान मिलेगा?
उत्तर – ₹800।

प्रश्न 26 (कठिन). खुदरा रोकड़ बही रखने का एक मुख्य लाभ बताओ, जो मुख्य रोकड़ बही पर पड़ने वाले बोझ से संबंधित हो।
उत्तर – यह मुख्य रोकड़ बही से छोटे लेन-देनों का बोझ कम करती है, जिससे मुख्य रोकड़ बही साफ और व्यवस्थित रहती है और बड़े, महत्वपूर्ण लेन-देनों पर ध्यान केंद्रित करना आसान होता है।

» खुदरा रोकड़ बही का प्रारूप और खतौनी

प्रश्न 27 (आसान). खुदरा रोकड़ बही में प्राप्तियों के लिए कितने स्तंभ होते हैं?
उत्तर – एक

प्रश्न 28 (आसान). विविध व्यय कॉलम का क्या उपयोग है?
उत्तर – उन खर्चों को दर्ज करना जिनके लिए अलग कॉलम नहीं है।

प्रश्न 29 (मध्यम). अगर खुदरा रोकड़ बही में 'बस किराया' और 'टैक्सी किराया' दोनों होते हैं, तो उन्हें आप किस कॉलम में डालेंगे?
उत्तर – परिवहन (transport) कॉलम में।

प्रश्न 30 (कठिन). महीने के अंत में खुदरा रोकड़ बही से खतौनी करते समय, क्या हर एक छोटे लेन-देन को अलग से खाते में पोस्ट किया जाता है?
उत्तर – नहीं, प्रत्येक व्यय स्तंभ के कुल योग को ही संबंधित खाते में पोस्ट किया जाता है, न कि हर एक छोटे लेन-देन को।

» रोकड़ बही का संतुलन (Balancing Cash Book)

प्रश्न 31 (आसान). यदि रोकड़ बही के डेबिट पक्ष का योग 25,000 रुपये और क्रेडिट पक्ष का योग 18,000 रुपये है, तो शेष राशि क्या होगी?
उत्तर – 7,000 रुपये डेबिट शेष

प्रश्न 32 (आसान). रोकड़ बही में हमेशा कौन सा शेष आता है?
उत्तर – डेबिट शेष (नाम शेष)

प्रश्न 33 (मध्यम). एक व्यापारी के पास महीने की शुरुआत में 10,000 रुपये थे। उसने महीने भर में 30,000 रुपये प्राप्त किए और 22,000 रुपये खर्च किए। महीने के अंत में उसके पास कितनी रोकड़ बची?
उत्तर – 18,000 रुपये (10,000 + 30,000 - 22,000)

प्रश्न 34 (कठिन). यदि रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष का योग, डेबिट पक्ष के योग से अधिक है, तो आप इसे कैसे संतुलित करेंगे और ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए?
उत्तर – ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि आप उतनी ही नकदी खर्च कर सकते हैं जितनी आपके पास है। यदि ऐसा होता है, तो इसका मतलब है कि कोई गलती हुई है।

» क्रय (रोज़नामचा) पुस्तक

प्रश्न 35 (आसान). क्या क्रय पुस्तक में नकद खरीद दर्ज की जाती है?
उत्तर – नहीं, क्रय पुस्तक में केवल उधार माल की खरीद दर्ज की जाती है।

प्रश्न 36 (आसान). अगर हमने कार्यालय के लिए एक कुर्सी उधार में खरीदी है, तो क्या वह क्रय पुस्तक में आएगी?
उत्तर – नहीं, कुर्सी संपत्ति है, माल नहीं। यह सामान्य रोज़नामचे में दर्ज होगी।

प्रश्न 37 (मध्यम). मै. राम ट्रेडर्स ने 10 अगस्त को मै. श्याम स्टोर्स से 500 पेन ₹10 प्रत्येक के हिसाब से उधार में खरीदे। व्यापारिक छूट 10% है। क्रय पुस्तक में कितनी राशि दर्ज की जाएगी?
उत्तर – 500 पेन * ₹10 = ₹5,000। 10% छूट = ₹500। दर्ज राशि = ₹4,500।

प्रश्न 38 (कठिन). मै. गुप्ता सप्लायर्स ने 15 अगस्त को मै. मोहन इलेक्ट्रॉनिक्स से 10 मिक्सर ₹1,500 प्रत्येक के हिसाब से और 5 ग्राइंडर ₹2,000 प्रत्येक के हिसाब से उधार में खरीदे। बिल पर 15% व्यापारिक छूट और 2% नकद छूट (cash discount) थी यदि भुगतान 7 दिनों में होता है। क्रय पुस्तक में कितनी राशि दर्ज होगी?
उत्तर – 10 मिक्सर * ₹1,500 = ₹15,000। 5 ग्राइंडर * ₹2,000 = ₹10,000। कुल = ₹25,000। व्यापारिक छूट 15% = ₹3,750। शुद्ध राशि = ₹21,250। क्रय पुस्तक में ₹21,250 दर्ज होगा क्योंकि नकद छूट को क्रय पुस्तक में नहीं दिखाया जाता और यह भुगतान पर निर्भर करती है।

» क्रय वापसी (रोज़नामचा) पुस्तक और डेबिट नोट

प्रश्न 39 (आसान). क्रय वापसी पुस्तक में किस प्रकार के माल की वापसी दर्ज की जाती है?
उत्तर – उधार पर खरीदे गए माल की वापसी।

प्रश्न 40 (आसान). डेबिट नोट कौन जारी करता है?
उत्तर – वह फर्म जो माल वापस कर रही है (यानी खरीदार)।

प्रश्न 41 (मध्यम). अगर हमने राम स्टोर से 10,000 रुपये का सामान खरीदा और 1,000 रुपये का सामान खराब होने की वजह से वापस कर दिया, तो क्रय वापसी पुस्तक में कितनी राशि दर्ज होगी?
उत्तर – 1,000 रुपये।

प्रश्न 42 (कठिन). डेबिट नोट में मुख्य रूप से कौन सी जानकारी शामिल होनी चाहिए? कोई तीन बिंदु बताओ।
उत्तर – आपूर्तिकर्ता का नाम, वापस किए गए माल का विस्तृत विवरण, और माल वापसी का कारण।

» विक्रय (रोज़नामचा) पुस्तक

प्रश्न 43 (आसान). क्या नकद विक्रय को विक्रय पुस्तक में दर्ज किया जाता है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 44 (आसान). विक्रय पुस्तक में कौन से लेन-देन रिकॉर्ड किए जाते हैं?
उत्तर – केवल उधार विक्रय के लेन-देन

प्रश्न 45 (मध्यम). मेसर्स 'एबीसी स्टोर्स' ने 10 मई 2023 को 'रमेश एंड संस' को ₹5,000 का सामान उधार बेचा (बीजक सं. 101)। इसे विक्रय पुस्तक में कैसे दर्ज करेंगे?
उत्तर – तिथि: 10 मई 2023, बीजक सं.: 101, ग्राहक का नाम: रमेश एंड संस, राशि: ₹5,000

प्रश्न 46 (कठिन). यदि मेसर्स 'शुभम ट्रेडर्स' ने 15 जून 2023 को मेसर्स 'अनमोल इलेक्ट्रॉनिक्स' को 5 टीवी @ ₹15,000 प्रति टीवी और 3 रेफ्रिजरेटर @ ₹25,000 प्रति रेफ्रिजरेटर उधार बेचे (बीजक सं. 205)। विक्रय पुस्तक में कुल राशि क्या होगी?

उत्तर – कुल राशि = (5 टीवी * ₹15,000) + (3 रेफ्रिजरेटर * ₹25,000) = ₹75,000 + ₹75,000 = ₹1,50,000

» विक्रय वापसी (रोज़नामचा) पुस्तक और क्रेडिट नोट

प्रश्न 47 (आसान). विक्रय वापसी पुस्तक में कौन से लेन-देन दर्ज किए जाते हैं?

उत्तर – ग्राहक द्वारा लौटाया गया माल।

प्रश्न 48 (आसान). क्रेडिट नोट कौन बनाता है?

उत्तर – माल बेचने वाला (विक्रेता)।

प्रश्न 49 (मध्यम). आपने मै. पूजा ट्रेडर्स को ₹5000 का सामान बेचा था। पूजा ने ₹800 का सामान वापस कर दिया। आप कौन सी पुस्तक में इसे दर्ज करेंगे और कौन सा दस्तावेज़ बनाएंगे?

उत्तर – हम इसे 'विक्रय वापसी पुस्तक' में दर्ज करेंगे और एक 'क्रेडिट नोट' बनाएंगे।

प्रश्न 50 (कठिन). क्रेडिट नोट और डेबिट नोट के बीच मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर – क्रेडिट नोट विक्रेता द्वारा बनाया जाता है जब ग्राहक माल वापस करता है (ग्राहक के खाते को क्रेडिट करने के लिए), जबकि डेबिट नोट क्रेता द्वारा बनाया जाता है जब वह माल आपूर्तिकर्ता को वापस करता है (आपूर्तिकर्ता के खाते को डेबिट करने के लिए)।

» मुख्य रोज़नामचा (Journal Proper)

प्रश्न 51 (आसान). वह कौन सी पुस्तक है जिसमें उन लेन-देनों को दर्ज किया जाता है जो किसी अन्य सहायक पुस्तक में नहीं आते?

उत्तर – मुख्य रोज़नामचा (Journal Proper)

प्रश्न 52 (आसान). लेखांकन वर्ष के आरंभ में संपत्तियों और देनदारियों का शेष दर्ज करने वाली प्रविष्टि को क्या कहते हैं?

उत्तर – प्रारंभिक प्रविष्टि (Opening Entry)

प्रश्न 53 (मध्यम). वर्ष के अंत में पूर्वदत्त बीमा (prepaid insurance) या अदत्त किराया (outstanding rent) जैसी प्रविष्टियाँ किसमें दर्ज की जाती हैं?

उत्तर – समायोजन प्रविष्टियों (Adjustment Entries) के रूप में मुख्य रोज़नामचा में।

प्रश्न 54 (कठिन). यदि किसी कंपनी ने व्यक्तिगत उपयोग के लिए मालिक द्वारा दुकान से माल निकाला है, तो यह लेन-देन किसमें दर्ज होगा?

उत्तर – मुख्य रोज़नामचा में, क्योंकि यह न तो नकद विक्रय है, न उधार विक्रय, और न ही सामान्य व्यय।

» खातों का संतुलन (Balancing Accounts)

प्रश्न 55 (आसान). अगर 'बैंक खाते' के डेबिट का योग 10,000 रुपये और क्रेडिट का योग 7,000 रुपये है, तो खाते का संतुलन क्या होगा?

उत्तर – 3,000 रुपये डेबिट शेष

प्रश्न 56 (आसान). अगर 'श्याम के खाते' के क्रेडिट का योग 6,000 रुपये और डेबिट का योग 2,500 रुपये है, तो खाते का संतुलन क्या होगा?

उत्तर – 3,500 रुपये क्रेडिट शेष

प्रश्न 57 (मध्यम). एक 'वेतन खाते' (Salary Account) में डेबिट में 12,000 रुपये हैं। क्रेडिट में कोई एंट्री नहीं है। संतुलन क्या होगा?

उत्तर – 12,000 रुपये डेबिट शेष। (हानि और व्यय खाते को संतुलित नहीं करते, इसे सीधे लाभ-हानि खाते में ट्रांसफर करते हैं, लेकिन शेष इसी तरह निकाला जाता है)।

प्रश्न 58 (कठिन). एक 'बिक्री खाते' (Sales Account) में क्रेडिट में कुल 50,000 रुपये हैं। डेबिट में सिर्फ 500 रुपये का एक विक्रय वापसी (Sales Return) है। संतुलन क्या होगा?

उत्तर – 49,500 रुपये क्रेडिट शेष। (आय और लाभ खातों को भी सीधे लाभ-हानि खाते में ट्रांसफर करते हैं, लेकिन शेष इसी तरह निकाला जाता है)।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लो एक बड़ी दुकान में एक दिन में ये लेन-देन हुए: 1. ₹5,000 का नकद माल बेचा। 2. ₹2,000 का नकद माल खरीदा। 3. ₹3,000 का फर्नीचर खरीदा उधार पर। 4. ₹1,000 का किराया नकद दिया। इन्हें सहायक पुस्तकों में कैसे रिकॉर्ड करेंगे?

› पहला कदम: सभी लेन-देनों को उनके प्रकार के अनुसार पहचानेंगे।

› दूसरा कदम: नकद लेन-देन (₹5,000 का माल बेचा, ₹2,000 का माल खरीदा, ₹1,000 किराया दिया) 'रोकड़ बही' (Cash Book) में जाएंगे।

› तीसरा कदम: उधार लेन-देन (₹3,000 का फर्नीचर उधार खरीदा) 'जनरल प्रॉपर' (General Proper) में जाएंगे, क्योंकि यह नकद, क्रय, विक्रय, वापसी किसी विशिष्ट बही में नहीं आता। (अगर यह उधार माल होता, तो 'क्रय बही' में जाता।)

› चौथा कदम: इस तरह, हर लेन-देन अपनी सही जगह रिकॉर्ड हो जाएगा, जिससे ढूंढने और समझने में आसानी होगी।

› तो, रोकड़ बही में प्राप्तियों की तरफ ₹5,000 और भुगतानों की तरफ ₹2,000 और ₹1,000 लिखेंगे। फर्नीचर की उधार खरीद जनरल प्रॉपर में एक एंट्री के रूप में आएगी।

› यह तरीका समय बचाता है और काम को बांटना आसान बनाता है।

उत्तर – नकद लेन-देन रोकड़ बही में और उधार फर्नीचर खरीद जनरल प्रॉपर में दर्ज की जाएगी।

उदाहरण 2. रूपा ट्रेडर्स के नवंबर 2017 के निम्नलिखित लेन-देन को एक-स्तंभीय रोकड़ बही में दर्ज करें:

नवंबर 01: हस्तस्थ रोकड़ 30,000 रु.

नवंबर 04: गुरमीत से नकद प्राप्त हुए 12,000 रु.

नवंबर 08: बीमा की वार्षिक किस्त का भुगतान 6,000 रु.

नवंबर 13: फर्नीचर का क्रय नकद 13,800 रु.

नवंबर 16: नकद माल बेचा 28,000 रु.

› सबसे पहले, हम रोकड़ बही का प्रारूप बनाएंगे, जिसमें बाईं ओर 'प्राप्ति' (डेबिट) पक्ष और दाहिनी ओर 'भुगतान' (क्रेडिट) पक्ष होगा। हर पक्ष में तिथि, विवरण, रो.पृ.सं. (Ledger Folio), और राशि का कॉलम होगा।

› नवंबर 01: 'हस्तस्थ रोकड़' का मतलब है कि महीने की शुरुआत में हमारे पास कितना नकद था। यह एक प्राप्ति है, तो इसे प्राप्ति पक्ष में 'शेष आ/ला' (Balance b/d) के रूप में 30,000 रु. लिखेंगे।

› नवंबर 04: 'गुरमीत से नकद प्राप्त हुए' - पैसा आया है, इसलिए यह प्राप्ति पक्ष में 'गुरमीत' के नाम से 12,000 रु. लिखा जाएगा।

› नवंबर 08: 'बीमा की वार्षिक किस्त का भुगतान' - पैसा गया है, इसलिए यह भुगतान पक्ष में 'बीमा' के नाम से 6,000 रु. लिखा जाएगा।

› नवंबर 13: 'फर्नीचर का क्रय नकद' - पैसा गया है, इसलिए यह भुगतान पक्ष में 'फर्नीचर' के नाम से 13,800 रु. लिखा जाएगा।

› नवंबर 16: 'नकद माल बेचा' - पैसा आया है, इसलिए यह प्राप्ति पक्ष में 'विक्रय' के नाम से 28,000 रु. लिखा जाएगा।

› सभी लेन-देन दर्ज करने के बाद, दोनों पक्षों का योग करेंगे और अंतिम शेष निकालेंगे।

उत्तर – रोकड़ बही में:
****प्राप्ति पक्ष (डेबिट):****
नवंबर 01: शेष आ/ला - 30,000
नवंबर 04: गुरमीत - 12,000
नवंबर 16: विक्रय - 28,000
कुल प्राप्ति: 70,000 रु.

****भुगतान पक्ष (क्रेडिट):****
नवंबर 08: बीमा - 6,000
नवंबर 13: फर्नीचर - 13,800
कुल भुगतान: 19,800 रु.

नवंबर 30 (या महीने का अंत): शेष आ/ले (Balance c/d) - (70,000 - 19,800) = 50,200 रु.
यह 50,200 रुपये अगले महीने का प्रारंभिक शेष होगा।

उदाहरण 3. मान लीजिए रोकड़ बही में एक एंट्री है: '4 नवंबर, गुरमीत से नकद प्राप्त हुए ₹12,000'। इसकी खतौनी कैसे करेंगे?

› सबसे पहले, हम देखेंगे कि यह एंट्री रोकड़ बही के किस पक्ष में दर्ज हुई है। चूंकि यह 'नकद प्राप्त हुए' हैं, तो यह रोकड़ बही के डेबिट (प्राप्ति) पक्ष में होगी।

› अब, खतौनी का नियम याद करो: रोकड़ बही के डेबिट पक्ष में जो खाता होता है (यहाँ 'गुरमीत' का खाता), उसे संबंधित खाते के क्रेडिट पक्ष में लिखना है।

› तो, हम 'गुरमीत' का खाता खोलेंगे।

› गुरमीत के खाते के क्रेडिट (जमा) पक्ष में जाएंगे।

› वहाँ लिखेंगे: 'तारीख: 4 नवंबर, विवरण: रोकड़, राशि: ₹12,000'।

› रो.पृ.सं. (रोकड़ पृष्ठ संख्या) कॉलम में हम रोकड़ बही का पृष्ठ नंबर लिख देंगे, जिससे पता चले कि यह एंट्री कहाँ से आई है।

उत्तर – गुरमीत के खाते के क्रेडिट पक्ष में 'रोकड़' के सामने ₹12,000 की प्रविष्टि की जाएगी।

उदाहरण 4. टूल इंडिया के निम्नलिखित लेन-देनों को द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही में दर्ज करें:
1 सितंबर: रोकड़ शेष ₹15,000, बैंक शेष ₹42,000
4 सितंबर: चेक द्वारा माल खरीदा ₹12,000
8 सितंबर: नकद माल बेचा ₹6,000
16 सितंबर: माल बेचने पर चेक प्राप्त हुआ और उसी दिन बैंक में जमा किया ₹4,500
27 सितंबर: बैंक से नकद निकाला ₹10,000

› सबसे पहले, 1 सितंबर के शेष को डेबिट साइड में लिखेंगे। रोकड़ कॉलम में ₹15,000 और बैंक कॉलम में ₹42,000। विवरण में 'शेष आ/ले' लिखेंगे।

› फिर 4 सितंबर को, 'चेक द्वारा माल खरीदा' है, तो यह भुगतान हुआ। क्रेडिट साइड में 'क्रय' लिखेंगे और बैंक कॉलम में ₹12,000।

› 8 सितंबर को 'नकद माल बेचा' है, तो यह प्राप्ति हुई। डेबिट साइड में 'विक्रय' लिखेंगे और रोकड़ कॉलम में ₹6,000।

› 16 सितंबर को 'माल बेचने पर चेक प्राप्त हुआ और उसी दिन बैंक में जमा किया'। यह भी प्राप्ति हुई। डेबिट साइड में 'विक्रय' लिखेंगे और बैंक कॉलम में ₹4,500।

› अब 27 सितंबर को 'बैंक से नकद निकाला'। यह 'विपर्यय लेन-देन' है। ध्यान से सुनो: बैंक से नकद निकाला, तो रोकड़ बढ़ गई और बैंक कम हो गया।

› तो, डेबिट साइड में रोकड़ कॉलम में ₹10,000 लिखेंगे, विवरण में 'बैंक' और ब.पृ.सं. (Ledger Folio) में 'C' लिखेंगे।

› और क्रेडिट साइड में बैंक कॉलम में ₹10,000 लिखेंगे, विवरण में 'रोकड़' और ब.पृ.सं. में 'C' लिखेंगे। 'C' का मतलब

है 'Contra Entry', यानि इसकी खतौनी अलग से नहीं होगी।

› अंत में, दोनों तरफ के रोकड़ और बैंक कॉलम का योग करके बैलेंस निकालेंगे।

› डेबिट रोकड़ का कुल योग (15,000 + 6,000 + 10,000) = ₹31,000

› क्रेडिट रोकड़ का कुल योग = ₹0 (कोई निकासी नहीं)

› डेबिट बैंक का कुल योग (42,000 + 4,500) = ₹46,500

› क्रेडिट बैंक का कुल योग (12,000 + 10,000) = ₹22,000

› रोकड़ का शेष: ₹31,000 - ₹0 = ₹31,000 (डेबिट शेष)

› बैंक का शेष: ₹46,500 - ₹22,000 = ₹24,500 (डेबिट शेष)

› तो, 30 सितंबर को क्रेडिट साइड में 'शेष आ/ला' में रोकड़ ₹31,000 और बैंक ₹24,500 लिखेंगे, ताकि दोनों साइड का टोटल बराबर हो जाए।

उत्तर – अंतिम शेष (30 सितंबर): रोकड़ ₹31,000 (डेबिट), बैंक ₹24,500 (डेबिट)

उदाहरण 5. 10 सितंबर को ₹8,000 बैंक में जमा किए। इसकी विपर्यय प्रविष्टि द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही में कैसे होगी?

› सबसे पहले, जब हमने बैंक में पैसे जमा किए, तो हमारे पास से कैश गया। तो भुगतान पक्ष (Credit side) में 'रोकड़' कॉलम में ₹8,000 लिखेंगे। विवरण में 'बैंक' लिखेंगे और रो.ब.पृ.सं. में 'C' लिखेंगे।

› अब, वही ₹8,000 बैंक में आए हैं। तो प्राप्ति पक्ष (Debit side) में 'बैंक' कॉलम में ₹8,000 लिखेंगे। विवरण में 'रोकड़' लिखेंगे और रो.ब.पृ.सं. में 'C' लिखेंगे।

› ध्यान रहे, दोनों तरफ की एंट्री में विवरण के सामने 'C' लिखना बहुत ज़रूरी है।

उत्तर – प्राप्ति पक्ष में: बैंक कॉलम में 8,000, विवरण में 'रोकड़', रो.ब.पृ.सं. 'C' |
भुगतान पक्ष में: रोकड़ कॉलम में 8,000, विवरण में 'बैंक', रो.ब.पृ.सं. 'C'

उदाहरण 6. मान लीजिए रोकड़ बही के भुगतान (payment) पक्ष में 'वेतन' के आगे कैश कॉलम में ₹3,500 लिखा है। इसकी खतौनी वेतन खाते में कैसे करेंगे?

› 1. सबसे पहले देखो, यह वेतन का भुगतान कैश में हुआ है और रोकड़ बही के भुगतान (क्रेडिट) पक्ष में है।

› 2. अब हम 'वेतन खाता' (Salary Account) खोलेंगे।

› 3. क्योंकि रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष में है, तो वेतन खाते में इसे डेबिट पक्ष में रिकॉर्ड करेंगे।

› 4. विवरण (Particulars) में 'रोकड़' (Cash) लिखेंगे और राशि ₹3,500 लिख देंगे।

उत्तर – वेतन खाते के डेबिट पक्ष में ₹3,500 'रोकड़' के नाम से पोस्ट किए जाएंगे।

उदाहरण 7. मान लीजिए, स्कूल ने खुदरा रोकड़िया को ₹2,000 की पेशगी दी। उसने ₹300 स्टेशनरी पर, ₹250 चाय-पानी पर और ₹150 सफाई के सामान पर खर्च किए। तो अब उसे कितना पैसा और मिलेगा ताकि उसके पास फिर से ₹2,000 हो जाएं?

› पहला कदम: खुदरा रोकड़िया को मिली राशि = ₹2,000

› दूसरा कदम: कुल खर्च = ₹300 (स्टेशनरी) + ₹250 (चाय-पानी) + ₹150 (सफाई) = ₹700

› तीसरा कदम: बची हुई राशि = ₹2,000 - ₹700 = ₹1,300

› चौथा कदम: पेशगी प्रणाली के अनुसार, उसे उतनी राशि का पुनर्भुगतान मिलेगा, जितनी उसने खर्च की है, ताकि उसके पास फिर से ₹2,000 की शुरुआती राशि हो जाए।

› पांचवा कदम: तो, पुनर्भुगतान राशि = कुल खर्च = ₹700

उत्तर – उसे ₹700 का पुनर्भुगतान मिलेगा।

उदाहरण 8. मान लीजिए, मोहित को 1 मई को ₹2,000 मिले। उसने 2 मई को ऑटो किराए के ₹55, 4 मई को डाक टिकट के ₹105 और 5 मई को स्टेशनरी के ₹225 खर्च किए। इन लेन-देनों को खुदरा रोकड़ बही में कैसे दर्शाएंगे और फिर खाता बही में कैसे ले जाएंगे?

› पहला कदम: खुदरा रोकड़ बही में प्राप्ति पक्ष में 1 मई को 'रोकड़िया प्राप्त' के सामने ₹2,000 लिखेंगे।

› दूसरा कदम: भुगतान पक्ष में 2 मई को ऑटो किराए के लिए परिवहन कॉलम में ₹55 और कुल भुगतान में ₹55 लिखेंगे।

› तीसरा कदम: 4 मई को डाक टिकट के लिए डाक व्यय कॉलम में ₹105 और कुल भुगतान में ₹105 लिखेंगे।

› चौथा कदम: 5 मई को स्टेशनरी के लिए स्टेशनरी कॉलम में ₹225 और कुल भुगतान में ₹225 लिखेंगे।

› पांचवां कदम: महीने के अंत में (मान लीजिए 5 मई को ही), सभी व्यय कॉलम का योग करेंगे। जैसे परिवहन का कुल ₹55, डाक व्यय का कुल ₹105, स्टेशनरी का कुल ₹225।

› छठा कदम: अब खतौनी के लिए: 'परिवहन खाता' को ₹55 से डेबिट करेंगे (Dr.), 'डाक व्यय खाता' को ₹105 से डेबिट करेंगे (Dr.), और 'स्टेशनरी खाता' को ₹225 से डेबिट करेंगे (Dr.)।

› सातवां कदम: और इन सभी व्ययों के कुल योग (55+105+225 = ₹385) से 'खुदरा रोकड़ खाता' को क्रेडिट (Cr.) करेंगे।

› आठवां कदम: खुदरा रोकड़ बही का शेष निकालेंगे: प्राप्त ₹2,000 - कुल व्यय ₹385 = शेष ₹1,615। यह अगले महीने आगे ले जाया जाएगा।

उत्तर – खुदरा रोकड़ बही में प्राप्तियों और भुगतानों को उनके संबंधित कॉलम में दर्ज किया जाएगा। फिर, खतौनी के समय, परिवहन, डाक व्यय और स्टेशनरी खातों को क्रमशः ₹55, ₹105 और ₹225 से डेबिट किया जाएगा, और खुदरा रोकड़ खाते को कुल ₹385 से क्रेडिट किया जाएगा। माह का शेष ₹1,615 होगा।

उदाहरण 9. मान लीजिए एक व्यापार में, प्राप्ति पक्ष (डेबिट) का कुल योग 50,000 रुपये है और भुगतान पक्ष (क्रेडिट) का कुल योग 35,000 रुपये है। रोकड़ बही को संतुलित करके शेष राशि ज्ञात कीजिए।

› पहला कदम: प्राप्ति पक्ष (डेबिट) का योग करें, जो कि 50,000 रुपये है।

› दूसरा कदम: भुगतान पक्ष (क्रेडिट) का योग करें, जो कि 35,000 रुपये है।

› तीसरा कदम: बड़े योग (प्राप्ति) में से छोटे योग (भुगतान) को घटाएँ: 50,000 - 35,000 = 15,000 रुपये।

› चौथा कदम: इस अंतर को भुगतान पक्ष में 'शेष आ/ला' (Balance c/d) के रूप में लिखें।

› पाँचवाँ कदम: दोनों पक्षों का योग बराबर कर दें (50,000 रुपये)।

› छठा कदम: अगले महीने या अवधि की शुरुआत में, इस 15,000 रुपये को प्राप्ति पक्ष में 'शेष आ/ले' (Balance b/d) के रूप में नीचे उतारें।

उत्तर – अंतिम शेष राशि 15,000 रुपये है, जो कि अगले महीने का प्रारंभिक शेष होगा।

उदाहरण 10. मै. कनिका ट्रेडर्स ने 4 अगस्त 2017 को मै. नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स से 20 छोटे-आकार के टी.वी. ₹2,000 प्रत्येक के हिसाब से और 15 टेप रिकॉर्डर ₹2,500 प्रत्येक के हिसाब से उधार में खरीदे। इन सभी वस्तुओं पर 20% व्यापारिक छूट मिली। बीजक संख्या 3250 है। क्रय पुस्तक में प्रविष्टि करें।

› पहले कुल मूल्य निकालेंगे: 20 टी.वी. * ₹2,000 = ₹40,000।

› 15 टेप रिकॉर्डर * ₹2,500 = ₹37,500।

› कुल खरीद मूल्य = ₹40,000 + ₹37,500 = ₹77,500।

› अब इस पर व्यापारिक छूट (Trade Discount) निकालेंगे: ₹77,500 का 20% = ₹15,500।

› छूट घटाने के बाद शुद्ध राशि (Net Amount) = ₹77,500 - ₹15,500 = ₹62,000।

› क्रय पुस्तक में तिथि (4 अगस्त), बीजक संख्या (3250), आपूर्तिकर्ता का नाम (नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स) और राशि (₹62,000) लिखेंगे। व्यापारिक छूट अलग से नहीं दिखाते, सीधे घटाकर शुद्ध राशि ही लिखते हैं।

उत्तर – क्रय पुस्तक में ₹62,000 की प्रविष्टि होगी।

उदाहरण 11. 15 जनवरी 2024 को हमने 'सुनील ट्रेडर्स' से 50,000 रुपये का फर्नीचर उधार पर खरीदा था। उसमें से 5,000 रुपये का फर्नीचर टूटा हुआ निकला, जिसे हमने 20 जनवरी 2024 को 'सुनील ट्रेडर्स' को वापस कर दिया। क्रय वापसी पुस्तक में इसका लेखा कैसे करेंगे और डेबिट नोट कैसे बनाएंगे?

› सबसे पहले, क्रय वापसी पुस्तक में 20 जनवरी 2024 की तारीख लिखेंगे।

› डेबिट नोट नंबर लिखेंगे (मान लो 001)।

› आपूर्तिकर्ता का नाम 'सुनील ट्रेडर्स' लिखेंगे।

› राशि वाले कॉलम में 5,000 रुपये लिखेंगे।

› फिर, एक 'डेबिट नोट' तैयार करेंगे। इसमें हमारी फर्म का नाम, सुनील ट्रेडर्स का नाम, वापस किए गए फर्नीचर का विवरण (टूटा हुआ फर्नीचर), वापसी का कारण, और 5,000 रुपये की राशि लिखेंगे।

› इस डेबिट नोट की एक कॉपी सुनील ट्रेडर्स को भेजेंगे और एक कॉपी अपने पास रखेंगे।

उत्तर – क्रय वापसी पुस्तक में 5,000 रुपये की एंट्री होगी और सुनील ट्रेडर्स को एक डेबिट नोट भेजा जाएगा।

उदाहरण 12. मेसर्स कोयना सप्लायर्स ने निम्न उधार बिक्री की: 6 अप्रैल 2017 को मेसर्स रमन ट्रेडर्स को 2 जल शोधक @ ₹2100 और 5 बाल्टियाँ @ ₹130 (बीजक संख्या 178)। इस लेन-देन को विक्रय पुस्तक में दर्ज करें।

› सबसे पहले, हम विक्रय पुस्तक का सही प्रारूप बनाएँगे, जिसमें 'तिथि', 'बीजक संख्या', 'ग्राहक का नाम', 'बही पृष्ठ संख्या' और 'राशि' के कॉलम होंगे।

› अब, हम 'तिथि' कॉलम में 6 अप्रैल 2017 लिखेंगे।

› 'बीजक संख्या' में 178 दर्ज करेंगे।

› 'ग्राहक का नाम' में 'मेसर्स रमन ट्रेडर्स' लिखेंगे।

› 'राशि' की गणना करेंगे: 2 जल शोधक * ₹2100 = ₹4200, और 5 बाल्टियाँ * ₹130 = ₹650।

› कुल राशि = ₹4200 + ₹650 = ₹4850 होगी। इसे 'राशि' कॉलम में दर्ज करेंगे।

उत्तर – विक्रय पुस्तक में प्रविष्टि: तिथि: 06 अप्रैल 2017, बीजक संख्या: 178, ग्राहक का नाम: रमन ट्रेडर्स, राशि: ₹4850

उदाहरण 13. मै. विनय स्टोर्स ने मै. रोहित स्टोर्स को ₹2,800 का माल बेचा। बाद में मै. रोहित स्टोर्स ने ₹170 का माल खराब होने के कारण वापस कर दिया। इसकी प्रविष्टि विक्रय वापसी पुस्तक और क्रेडिट नोट के साथ दिखाएं।

› सबसे पहले, जब मै. रोहित स्टोर्स ने ₹170 का माल वापस किया, तो मै. विनय स्टोर्स एक 'क्रेडिट नोट' बनाएगा।

› क्रेडिट नोट में तारीख, क्रेडिट नोट नंबर (मान लो 201), ग्राहक का नाम (रोहित स्टोर्स) और वापस किए गए माल का मूल्य (₹170) लिखा जाएगा।

› अब इस क्रेडिट नोट के आधार पर, विक्रय वापसी पुस्तक में एक प्रविष्टि करेंगे।

› विक्रय वापसी पुस्तक में: 'तिथि' कॉलम में 15 दिसंबर 2017 (वापसी की तारीख), 'क्रेडिट नोट संख्या' में 201, 'ग्राहक का नाम' में 'रोहित स्टोर्स' और 'राशि' कॉलम में ₹170 लिखेंगे।

उत्तर – विक्रय वापसी पुस्तक में, मै. रोहित स्टोर्स के सामने ₹170 दर्ज होगा, जिससे पता चलेगा कि इतनी राशि का माल वापस आया है।

उदाहरण 14. एक नए लेखांकन वर्ष के आरंभ में, एक फर्म के पास ₹50,000 नकद, ₹1,00,000 का फर्नीचर, और ₹20,000 के लेनदार थे। पूंजी ज्ञात कर प्रारंभिक प्रविष्टि कीजिए।

› पहला कदम, हम कुल संपत्तियों को जोड़ेंगे: ₹50,000 (नकद) + ₹1,00,000 (फर्नीचर) = ₹1,50,000।

› दूसरा कदम, हम लेनदारों की राशि देखेंगे जो कि ₹20,000 है।

› तीसरा कदम, हमें पता है कि पूंजी = कुल संपत्ति - कुल देनदारियां। तो, पूंजी = ₹1,50,000 - ₹20,000 = ₹1,30,000।

› अब, इसकी प्रारंभिक प्रविष्टि मुख्य रोज़नामचा में इस तरह से होगी:

› नकद खाता डेबिट ₹50,000

› फर्नीचर खाता डेबिट ₹1,00,000

› लेनदार खाता क्रेडिट ₹20,000

› पूंजी खाता क्रेडिट ₹1,30,000

› (नए वर्ष के आरंभ में संपत्तियों, देनदारियों और पूंजी का शेष लाने हेतु)

उत्तर – प्रारंभिक प्रविष्टि: नकद खाता Dr. ₹50,000, फर्नीचर खाता Dr. ₹1,00,000, लेनदार खाता Cr. ₹20,000, पूंजी खाता Cr. ₹1,30,000।

उदाहरण 15. मान लीजिए एक 'राम का खाता' है। उसके डेबिट साइड में कुल 5,000 रुपये हैं और क्रेडिट साइड में कुल 3,000 रुपये हैं। इस खाते को संतुलित कीजिए।

› पहला कदम: डेबिट साइड का कुल योग करो, जो कि 5,000 रुपये है।

› दूसरा कदम: क्रेडिट साइड का कुल योग करो, जो कि 3,000 रुपये है।

› तीसरा कदम: दोनों योगों का अंतर निकालो। 5,000 - 3,000 = 2,000 रुपये।

› चौथा कदम: अब देखो, किस तरफ का योग कम था? क्रेडिट साइड का। तो, यह 2,000 रुपये क्रेडिट साइड में 'शेष आ/ले' (Balance c/d) के रूप में लिखो।

› पांचवां कदम: अब दोनों तरफ का कुल योग 5,000 रुपये हो गया। अगले पीरियड की शुरुआत में, यह 2,000 रुपये डेबिट साइड में 'शेष आ/ला' (Balance b/d) के रूप में लिखो।

› तो, राम के खाते में 2,000 रुपये का डेबिट बैलेंस है।

उत्तर – राम के खाते का शेष 2,000 रुपये (डेबिट) है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! अक्सर 'विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकों' की आवश्यकता और उनके लाभों पर सीधा प्रश्न आता है। साथ ही, अलग-अलग सहायक पुस्तकों के नाम भी याद रखना।

• रोकड़ बही का प्रारूप (फॉर्मेट) और उसमें लेन-देनों को सही पक्ष में दर्ज करना बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर आधारित एक पूरा प्रश्न आता है, तो इसके उदाहरणों का खूब अभ्यास करना!

• यह खतौनी वाला नियम परीक्षा में सीधे प्रश्न के रूप में आता है, इसलिए डेबिट-क्रेडिट के 'उल्टे नियम' को बिल्कुल रट लो और इसका अभ्यास खूब करो।

• बोर्ड परीक्षा में, द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही बनाने का सवाल बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'विपर्यय लेन-देन' (Contra Entry) की पहचान करना और उसे सही तरीके से दर्ज करना, साथ ही चेक के रेखांकन और उसके प्रकारों को समझना, इन पर खास ध्यान देना।

• बोर्ड परीक्षा में विपर्यय प्रविष्टियाँ (Contra Entries) अक्सर पूछी जाती हैं, खासकर प्रैक्टिकल सवाल में। 'C' लिखना मत भूलना, इसके नंबर कट सकते हैं!

• यह खतौनी वाला भाग, खासकर विपर्यय प्रविष्टियों को न पोस्ट करने का नियम, बोर्ड परीक्षा में अक्सर छोटे प्रश्नों या प्रैक्टिकल सवालों में पूछा जाता है। ध्यान से पढ़ना और समझना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे अक्सर 'पेशगी प्रणाली' की परिभाषा या खुदरा रोकड़ बही के लाभों पर छोटे प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके फॉर्मेट पर भी ध्यान देना।

• खुदरा रोकड़ बही का प्रारूप बनाते समय, व्यय के लिए सही कॉलम चुनना और महीने के अंत में कुल योग करके खतौनी करना बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर, यह प्रश्न परीक्षा में पूरे प्रारूप के साथ आता है, इसलिए इसकी अच्छी तरह से अभ्यास करें।

• क्रय वापसी पुस्तक का प्रारूप और डेबिट नोट के उद्देश्य को अच्छे से समझना, क्योंकि यह बोर्ड परीक्षाओं में छोटे प्रश्न या जर्नल एंट्री में आ सकता है।

• विक्रय पुस्तक का प्रारूप और उसमें दर्ज की जाने वाली जानकारी, दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के साथ अभ्यास करना न भूलें!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर क्रय वापसी और विक्रय वापसी के बीच के अंतर पर सवाल पूछे जाते हैं, और क्रेडिट/डेबिट नोट की अवधारणा पर भी प्रश्न बनते हैं।

• मुख्य रोज़नामचा के प्रकारों, खासकर प्रारंभिक और समायोजन प्रविष्टियों, पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें ध्यान से समझना और उदाहरणों के साथ अभ्यास करना महत्वपूर्ण है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर जब खाता बही में खतौनी (Posting) और संतुलन (Balancing) करने वाले प्रैक्टिकल प्रश्न आते हैं। 'शेष आ/ले' और 'शेष आ/ला' को सही पक्ष में लिखना मत भूलना!

एक नज़र में रिवीज़न

› विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकें: लेन-देन के प्रकार के अनुसार अलग रिकॉर्डिंग।
› रोकड़ बही: नकद प्राप्तियों/भुगतानों का लेखा; रोज़नामचा + खाता बही।
› रोकड़ बही डेबिट तो दूसरे खाते में क्रेडिट, रोकड़ बही क्रेडिट तो दूसरे खाते में डेबिट।
› द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही: रोकड़ और बैंक कॉलम, विपर्यय लेन-देन (Contra Entry) महत्वपूर्ण।
› बैंक में जमा/निकासी: कैश-बैंक दोनों में 'C' के साथ एंट्री।
› द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही से खतौनी: 'C' वाली एंट्रीज छोड़ दें, बाकी को संबंधित लेजर खातों में उल्टे पक्ष में पोस्ट करें।
› खुदरा रोकड़ बही: छोटे खर्चे; पेशगी प्रणाली: अग्रिम राशि + पुनर्भुगतान।
› खुदरा रोकड़ बही में वर्गीकृत व्यय स्तंभ, खतौनी कुल योग से।
› क्रय वापसी पुस्तक: उधार पर खरीदे गए माल की वापसी का लेखा। डेबिट नोट: माल वापसी का प्रमाण।
› विक्रय पुस्तक = केवल उधार विक्रय, बीजक से प्रविष्टि, कुल योग विक्रय खाते में।
› विक्रय वापसी पुस्तक: ग्राहक द्वारा लौटाया माल दर्ज; क्रेडिट नोट: विक्रेता बनाता है, ग्राहक खाता क्रेडिट।
› मुख्य रोज़नामचा = अन्य सहायक पुस्तकों में न आने वाले सभी लेन-देन दर्ज होते हैं।
› खातों का संतुलन: डेबिट/क्रेडिट योग बराबर करना, 'शेष आ/ले' से अंतर दिखाना।